श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

हिन्दी साहित्य (स्वाध्यायी)

(प्रथम प्रश्नपत्र –प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास) पूर्णांक 50

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी के अंक समान है । प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 800 शब्दों में दीजिए।

प्र01 सदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

मन वचन कम नंदनंदन के उर यह दृढ करि पकरी।।
जागत सोवत, सपने सौतुख कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनतहि जोग लगत ऐसो अलि। ज्यों करूई ककरी।।
सोई व्याधि हमें लै आए देखी सुनी न करी।
यह तो सूर तिन्है लै दीजै जिनके मन चकरी।।

अथवा

काहे को रोकत मारग सूधो ?
सुनहु मधुप। निर्गुण कंटक तें राजपंथ क्यों रूधो ?
के तुम लिखैए पठाए कुब्जा कै कही श्यामधन जूधौं।
वेद पुराण सुमृति सब ढूंढौं जुर्बातन जोग कहूँ धौ।
ताको कहा परेखो कीजै जानत छाछ न दूधो।
सूर मूर अकर गए लै ब्याज निबेरत उधो।

प्र0 2 भरत शपथ तोहि सतय कहु परिहिर कपट दुराउ।
हरष समय बिसमउ करसि कारन कारन मोहिं सुनाउ।।
एकहिं बार आस सब पूजी। अब कछु कहब जीभ करि दूजी।।
फोरइ जोगु कपारू अभागा। भलेउ कहत दुख रौरेहि लागा।।
कहिं झूठि फुरि बात बनाई। ते प्रिय तुम्हहि करूइ मैं माई।।
हमहुँ कहबि अब ठकुर सोहाती । नाहिं त मौन रहब दिनु राती।।
करि कुरू बिधि परबस कीन्हा । बुवा सो लुनिअ लहिअ जो दीन्हा।।
कोउ नृप होइ हमहि काहानी । चेरि छाँड़ि अब होब कि रानी ।।
जारइ जोगु सुभाउ हमारा । अन भल देखि न जाइ तुम्हारा ।।
तातें कछुक बात अनुसारी । छमिअ देबि बडि चूक हमारी।।

अथवा

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरे सोइ।
जा तन की झाँई परै, श्याम हरित दुति होइ।।
जोग – जुगति सिखए सबै मनौ महामुनि मैन।
चाहत प्रिय अद्वैतता काननु सेवत नैनै।।

प्र0 3 सूर के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास के वियोग वर्णन की विशेषताए बताइए।

प्र04 अयोध्या काण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास की समन्वय साधना पर प्रकाश डालिए।

प्र0 5 भक्ति काल की विशेषताऐं बताइये।

अथवा

रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को उदारण सहित लिखिए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

हिन्दी साहित्य (स्वाध्यायी)

(द्वितीय प्रश्नपत्र – आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास)

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी के अंक समान है । प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 800 शब्दों में दीजिए। पूर्णांक 50

प्र01 सदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

उस समय दक्षिण समीर मन्द गति से बह रहा था। वृक्ष लता गुल्म सभी झूम रहे थे। उनकी मूँगे जैसी लाल–लाल किसलय सम्पति ने उनकी सारी शोभा को लाल बना दिया था । उन पर गूँजते हूए भौरों की आवाज सखलित वाणी के समान सुनाई दे रही थी और मलयानिल की मृदु मन्द तरंगो से आहत होकर वे सचमुच ही झूम रहे जाने पडते थे। शायद मधुमास के मधुपान से वे भी मत्त थे । अन्त: पुर की परिचारिकाएँ ही नहीं कुसुमलताएँ भी क्षीवा बनी हुई थी।

अथवा

उसके सारे शरीर से स्वच्छ कांति प्रवाहित हो रही थी । अत्यन्त धवल प्रभा – पुंज से उसका शरीर एक प्रकार ढंका हुआ –सा ही जान पडता था, मानो वह स्फटिक गृह में आबद्ध हो , या दुग्ध सलिल से निमग्न हो, या विमल चीनांशुक से समावृत हो, या दर्पण में प्रतिबिम्बित हो, या शरद – कालीन मेघ – पुंज में अन्तरित चन्द्रकला हो। उसकी धवल थी , मानो स्वर्मदाकिनी की धवल धरा समस्त कलुष को धवलित कर देती थी , मानो स्वर्मदाकिनी की धवल धारा समस्त कलुष – कालिमा का प्रक्षालन कर रही हो । मेरे मन में बार – बार यह प्रश्न उठता रहा कि इतनी पवित्र रूप राशि किस प्रकार इस कलुष धरित्री में सम्भव हुई।

प्र0 2 सदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

देश प्रेम क्या है ? प्रेम ही तो है इस प्रेम का आलम्बन क्या है ? सारा देश अर्थात मनुष्य , पशु, पक्षी, नदी नाले वन पर्वत सारी भूमि । यह प्रेम किस प्रकार की है। यह सहचर्यगत प्रेम है । जिनके बीच हम रहते है, जिनका हमारा हर – घड़ी का साथ लोभ या राग हो सकता है। देश – प्रेम यदि वास्तव में अंत:करण का कोई भाव है तो यही हो सकता है । यदि यह नही है तो वह कोरी बकवास या किसी भी भाव के संकेत के लिए गढ़ा हुआ शब्द है।

अथवा

भावो की छानबीन करने पर मंगल का विधान करने वाले दो भाव ठहरते है – करूण और प्रेम । करूणा की गति रक्षा की और होती है और प्रेम की रंजन की और । लोक में प्रथम साध्य रक्षा है । रंजन का अवसर उसके पीछे आता है।अत: साधानावस्था या प्रयत्न पक्ष को लेकर चलने वाले काव्यों का बीजभाव करणा ही ठहरती है।

प्र0 3 कथोपकथन की दृष्टि से वाणभट्ट की आत्मकथा की समीक्षा कीजिए।

अथवा

मेरे राम का मुकुट भींग रहा है निबंध का सारांश लिखिए।

प्र0 4 अपना – अपना भाग्य कहानी का सारांश लिखिए।

अथवा

पगडंडियो का जमाना निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्र0 5 देश सेवा का महत्व निबंध का सारंश लिखिए।

अथवा

उसने कहा था कहानी का सारंश लिखिए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

हिन्दी साहित्य (स्वाध्यायी)

(तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी के अंक समान है । प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 800 शब्दों में दीजिए। पूर्णांक 50

1 प्लेटो के काव्य सिद्धांत पर निबंध लिखिए।

अथवा

लॉजाइनस की उदात्त की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

2 कालरिज के कल्पना सिद्धांत का युक्ति युक्त विवेचन कीजिए।

अथवा

त्रासदी से आप क्या समझते है स्पष्ट कीजिए।

3 टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत पर निबंध लिखिए।

अथवा

आई. ए. रिचर्डस की प्रमुख स्थापनाओं पर निबंध लिखिए।

4 अभिजात्यवाद की प्रमुख मान्यताओं और अवदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अभिव्यंजनावाद की प्रमुख मान्यताओं का निरूपण कीजिए।

5 शैली विज्ञान की प्रमुख मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उत्तर आधुनिकतावाद का विस्तृत विवेचन कीजिए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर 2019–20
हिन्दी साहित्य (स्वाध्यायी)
(चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी)

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी के अंक समान है । प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 800 शब्दों में दीजिए। पूर्णांक 50

(1) फीचर लेखन का आशय बताते हुए , इसकी विशेषताएं लिखिए।

अथवा

समाचार – लेखन कैसे किया जाता है ? समाचार लेखन के गुणों को विस्तार से लिखिए।

(2) फिल्म एवं टेलीविजन की भाषा के बारें में लिखिए।

अथवा

पटकथा लेखन के बारे में विस्तार से लिखिए।

(3) जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की आवश्यकता पर एक लेख लिखिए।

अथवा

विज्ञापन में अनुवाद की आवश्यकता पर एक लेख लिखिए।

(4) पत्रों के अनुवाद के बारे में लिखिए।

अथवा

दुभाषिया की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(5) इंटरनेट से आशय एवं इन्टरनेट की उपयोगिता एवं महत्व को विस्तार से समझाइए।

अथवा

सारानुवाद किसे कहते है ? उसके सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए. अर्थशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

प्रथम प्रश्न पत्र

(Subject-) **Advanced Economic Analysis** पूर्णांक 50

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई – 5 प्रश्नों को हल कीजिए।

1.एकाधिकार तथा पूर्ण प्रतियोगिता के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2.अल्पाधिकार के प्रकार क्या है ।

3.ब्याज के तरलता अधिमान सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

4.वितरण का आधुनिक सिद्धांत को समझाइए।

5.पीगू द्वारा प्रतिपादित कल्याण कारी सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

6.कीमत विभेद को समझाइए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए. अर्थशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

द्वितीय प्रश्न पत्र

(Subject-) **Montary Economics and Banking** पूर्णांक 50

1.बैंक की परिभाषा दीजिए तथा इसके प्रकार बताइए।

2.मुद्रा की परिभाषा दीजिए तथा मुद्रा के प्रमुख कार्य बताइए।

3.मुद्रा स्फीति केअनुकुल एवं प्रतिकुल प्रभावों को समझाइए।

4.मौद्रिक निति पर लेख लिखिए।

5.केंद्रीय बैंक के कार्य की व्याख्या कीजिए एवं इसके महत्व को समझाइए।

श्री हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए. अर्थशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

तृतीय प्रश्न पत्र

(Subject-) **Research Methods and Statistical Inference**

Mark50

1 सांख्यिकी की विशेषताएं समझाइए।

Explain the characteristics of statistics.

2 अनुसंधान को समझाइए।

Explain the Research.

3 निर्देशन (सूचकांक) को समझाइए।

Explain the Index number .

4 प्रायिकता की परिभाषा तथा उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Define of probability and clarify its importance.

5 निम्न समंको से माध्यिका, समान्तर माध्य तथा बहुलक ज्ञात कीजिए।

Calculate median , mean and mode from the following data

आकार :–	8	10	12	14	16	18	20
आवृत्ति :–	3	7	12	28	10	9	6

श्री हरकचन्द चौरडिया महाविद्यालय भानपुरा जिला – मन्दसौर (म.प्र.)

एम.ए. अर्थशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर 2019–20

चतुर्थ प्रश्न पत्र

(Subject-) **International Economics** पूर्णांक 50

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई – 5 प्रश्नों को हल कीजिए।

1 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के गुण – दोष लिखिए।

2 व्यापार की शर्तो को प्रभावित करने वाले तत्वों को समझाइए।

3 अन्तर्राट्रीय अर्थशास्त्र को समझाइए।

4 तुलनात्मक लागत सिद्धांत को वर्णन कीजिए।

5 विश्व व्यापार संगठन को समझाइए।

6 व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन को समझाइए।